[This question paper contains 8 printed pages.]

4459 *Your Roll No.* ....

B.A.(Prog.)/I **G–I**

SANSKRIT DISCIPLINE-Paper I

(Poetry, Prose and History of Sanskrit Literature) (A-190)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Unless otherwise required in a question, answers should be written in ***Sanskrit*** *or in* ***Hindi*** *or in* ***English****; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:– अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Note :– The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of SOL at the time of posting of awards for compilation of result.

P.T.O.

टिप्पणी:- इस प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक SOL के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए । (5)

Explain with reference to the context any one of the following verses:

यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ।।

अथवा / OR

<u>अथाभ्यर्च्य</u> विधातारं प्रयतौ पुत्रकाम्यया ।
तौ दम्पती वसिष्ठस्य <u>गुरोर्जग्मतु</u>राश्रमम् ।।

(b) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं <u>छादनमज्ञतायाः</u> । (4)
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम् ।।

अथवा / OR

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते ।

स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ।।

2. गुरु वसिष्ठ के आश्रम की ओर जाते हुए राजा दिलीप की यात्रा का वर्णन कीजिए । (5)

Describe the journey of King Dilip to the hermitage of Sage Vasistha.

अथवा / OR

रघुवंशी राजाओं के गुणों का वर्णन कीजिए ।

Describe the qualities of Kings of Raghu dynasty.

3. किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए। (3 + 3)

Translate any **two** of the following :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन् ।

पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासर्दितः ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत् ।

न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

(ii) जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं

मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति ।

चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं

सत्संगति कथय किं न करोति पुंसाम् ।।

(iii) लाङ्गूलचालनमधश्चरणावपातं

भूमौ निपत्य वदनोदरदर्शनं च ।

श्वा पिण्डदस्य कुरुते गजपुङ्गवस्तु

धीरं विलोकयति चाटुशतैश्च भङ्क्ते ।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** श्लोकों का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। (4)

Translate **any two** of the following with reference to the context:

(i) न पृच्छेच्चरणं गोत्रं न च विद्यां कुलं न च ।

अतिथिं वैश्वदेवान्ते श्राद्धे च मनुरब्रवीत् ।।

(ii) शूरश्च कृतविद्यश्च दर्शनीयोऽसि पुत्रक! ।

यस्मिन्कुले त्वमुत्पन्नो गजस्तत्र न हन्यते ।।

(iii) आत्मनो मुखदोषेण बध्यन्ते शुकसारिका: ।

वकास्तत्र न बध्यन्ते मौनं सार्वर्थसाधनम् ।।

5. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए। (3)

Translate the following:

गङ्गदत्त आह-'भद्र! कृतं त्वया मित्रकृत्यम् । तत्साम्प्रतमनेनैव घटिकायन्त्रमार्गेण गम्यताम्' इति । सर्प आह-'भो गङ्गदत्त! न सम्यगभिहितं त्वया । कथमहं तत्र गच्छामि । मदीयबिलदुर्गमन्येन रुद्धं भविष्यति । तस्मादत्रस्थस्य मे मण्डूकमेकैकं स्ववर्गीयं प्रयच्छ । नो चेत्सर्वानपि भक्षयिष्यामि इति । तच्छुत्वा गङ्गदत्तो व्याकुलमना व्यचिन्तयत्-'अहो! किमेतन्मया कृतं सर्पमानयता । यदि निषेध यिष्यामि तत्सर्वानपि भक्षयिष्यति ।

अथवा / OR

कस्मिंश्चिदद्देशे सिंहदम्पती प्रतिवसत: स्म । अथ सिंही पुत्रद्वयमजीजनत् । सिंहोऽपि नित्यमेव मृगान् व्यापाद्य सिंह्यै ददाति । अथान्यस्मिन्नहनि तेन किमपि नासादितम् । येन भ्रमतोऽपि तस्य रविरस्तं गत: । अथ तेन स्वगृहमागच्छता शृगालशिशु: प्राप्त: । स च बालकोऽयमित्यवधार्य यत्नेन दंष्ट्रामध्यगतं कृत्वा सिंह्यै जीवन्तमेव समर्पितवान्। तत: सिंह्याऽभिहितम्-'भो: कान्त! त्वयानीतं किञ्चिस्माकं भोजनम्' । सिंह आह-'प्रिये! मयाद्यैनं शृगालशिशुं परित्यज्य न किञ्चित्सत्वमासादितम् ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कथा का शिक्षा सहित सार प्रस्तुत कीजिए। (5)

P.T.O.

Write the summary and moral of any **one** of the following stories:

(i) युधिष्ठिरकुम्भकार कथा

(ii) नन्दवररुचि कथा

(iii) चित्राङ्गसारमेयस्य कथा

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर लघु टिप्पणी लिखिए । (4)

Write short notes on **any two** of the following:

विश्वदेव कर्म, महाचतुरशृगाल, घण्टोष्ट्र, षड्विधप्रीतिलक्षण

8. प्रश्न 1, 3 एवं 5 के रेखांकित शब्दों में से **किन्हीं पाँच** का सन्धि-विच्छेद कीजिए। (5)

Disjoin **any five** Sandhis underlined in Q.N. 1, 3 and 5.

9. निम्नलिखित रेखाङ्कित शब्दों में से **पाँच** में विभक्ति का कारण बताइये । (5)

Account for the case-ending in **any five** of the following underlined words:

(i) सुभाषितम् <u>अङ्गे</u> जीर्णम् ।

(ii) <u>समुद्रोपकण्ठे</u> महाञ्जम्बूपादपः ।

(iii) <u>येन</u> आपदि अपकृतम् ।

(iv) <u>एकाम्</u> नितम्बनीम् मुक्त्वा ।

(v) <u>कूपात्</u> उत्तारितः ।

(vi) <u>भेदं</u> विना साध्यो भविष्यति ।

(vii) <u>तेन</u> सह युद्धं करोमि ।

10. 'रघुवंश एक महाकाव्य है'-इसे सिद्ध कीजिए । (10)

"Raghuvansa is a Mahakavya" prove it.

अथवा / OR

संस्कृत के खण्डकाव्य के विषय में आप क्या जानते हैं?

What do you know about the lyric poetry in Sanskrit.

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए: (15)

Write notes on **any three** of the following:

बाण, दण्डी, भर्तृहरि, मेघदूत, किरातार्जुनीयम्

P.T.O.

12. प्रश्न संख्या 5 में विद्यमान गद्यांशों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का **संस्कृत** में उत्तर दीजिए । (4)

Write in **Sanskrit** answer of the questions on the basic of the text in Q. No. 5.

(i) गङ्गदत्तः सर्प किं आह ।

(ii) कस्मात् कारणात् सर्पः स्वगृहं न गच्छति ।

(iii) व्याकुलो भूत्वा गङ्गदत्तः किम् अचिन्तयत् ।

(iv) गङ्गदत्तस्य वचनं श्रुंत्वा सर्पः किं आह ।